लोगोस बाइबल प्रतियोगिता मॉड्यूल: 5

[लोगोस बाइबल अध्ययन सेवकाई]

वेबसाइट: https://logosinhindi.com/
ईमेल: logosinhindi@gmail.com

विषय- सूची

Chapter 1: आर्मिनवादियों की असंगत शिक्षाएं और प्रार्थनाएं

Chapter 2: Can your name be erased from the book of life ? क्या आपका नाम जीवन की पुस्तक में से काटा जा सकता है?

Chapter 3: perseverance of saints संतों की रक्षा या संतों के अध्यवसाय की शिक्षा/सिद्धांत

Chapter 4: IRRESISTIBLE GRACE अप्रतिरोध्य अनुग्रह की शिक्षा:

Chapter 5: रोमियों 9:9-23 तक की आयतें याद कीजिये

Chapter 1: आर्मिनवादियों की असंगत शिक्षाएं और प्रार्थनाएं

धर्मशास्त्र के अध्ययन में दो वाद हैं: कैल्विनवाद और आर्मिनवाद .

दोनों की शिक्षाओं के बीच का अंतर नीचे दिया गया है:

कैल्विनवाद

1.सम्पूर्ण भ्रष्टता की शिक्षा: मनुष्य पूरी तरह से आत्मिक रूप से/पाप में मरा हुआ है, वह परमेश्वर को न चाहता है और नाही चाह सकता है.

इस शिक्षा को और जानने के लिए क्लिक कीजिये: https://logosinhindi.com/doctrine-of-total-depravity/

2.बिना शर्त के चुनाव की शिक्षा: परमेश्वर ने दुनिया की उत्पत्ति से पहले बिना शर्त के और बिना मनुष्य के किसी योगदान के कुछ लोगों को उद्धार के लिए चुन लिया था.

इस शिक्षा को और जानने के लिए क्लिक कीजिये: https://logosinhindi.com/doctrine-of-unconditional-election/

3.सीमित/निश्चित प्रायश्चित की शिक्षा: प्रभु यीशु मसीह सिर्फ चुने हुओं के लिए मरे. यदि वो सबके लिए मरते तो कोई भी नरक नहीं जाते.

इस शिक्षा को और जानने के लिए क्लिक कीजिये: https://logosinhindi.com/the-doctrine-of-limited-atonement/

4.अप्रतिरोध्य अनुग्रह की शिक्षा: परमेश्वर का अनुग्रह जब चुने हुए लोगों के जीवन में काम करता है तो वो उसे नहीं रोक सकते; वो अनुग्रह उन्हें बदल देता है.

इस शिक्षा को और जानने के लिए क्लिक कीजिये: https://logosinhindi.com/irresistible-grace-in-hindi/

5.संतों के अध्यवसाय की या संतों की सुरक्षा की शिक्षा: जिसका वास्तव में उद्धार हुआ है वो उद्धार नहीं खो सकता.

इस शिक्षा को और जानने के लिए क्लिक कीजिये: https://logosinhindi.com/perseverance-of-saints/

आर्मिनवाद:

1.अधूरी भ्रष्टता की शिक्षा: मनुष्य पाप में मरा हुआ नहीं है सिर्फ बीमार है; वह परमेश्वर को चाह और खोज सकता है और ऐसा करके परमेश्वर को पा लेता है.

2.पूर्वज्ञान के आधार पर चुनाव की शिक्षा: परमेश्वर ने भविष्य में झाँक कर ये देखा की कौन कौन यीशु मसीह पर विश्वास करेगा और उनको चुन लिया.

3.सार्वभौमिक प्रायश्चित की शिक्षा: प्रभु यीशु मसीह सारी दुनिया के पापों की क्षमा के लिए मरे और सबको बचाने का प्रयास कर रहें हैं पर मनुष्य के चुनाव के कारण बचा नहीं पा रहे.

4.प्रतिरोध्य अनुग्रह की शिक्षा: परमेश्वर के अनुग्रह का प्रतिरोध किया (को रोका) जा सकता हैं.

5.खोने योग्य उद्धार की शिक्षा: मनुष्य उद्धार पा कर खो सकते हैं और खोते भी हैं.

दोनों में से सही कौन हैं?

कैल्विनवाद बाइबल आधारित और सही है, क्योंकि उसमे परमेश्वर की योजना पूरी होती है, वह पापी मनुष्य पर विजयी होता है, उसके स्वाभाव को बदल देता है और अपनी ही इच्छा और अनुग्रह से उद्धार करता है. परन्तु आर्मिनवाद में सब कुछ मनुष्य पर निर्भर है और उद्धार में उसके चुनाव का योगदान है; वो उसे अपनी मर्जी से पा भी सकता है और खो भी सकता है. कैल्विनवाद परमेश्वर को सर्वसत्ताधिकारी और भाग्य-विधाता बताता है, बल्कि आर्मिनवाद मनुष्य को सर्वसत्ताधिकारी और भाग्य-विधाता बताता है; इसमें अंतिम निर्णय मनुष्य का ही है.

जो भी सच में आर्मिनवादी है वो शैतान से है; उनका उद्धार नहीं हुआ. परन्तु कुछ आर्मिनवादी सिर्फ थोड़े समय के लिए धोखा खाएं हुए हैं या भ्रमित हैं. इन भ्रमित आर्मिनवादियों की शिक्षाएं और प्रार्थनाएं असंगत है. वार्तालाप में वो आर्मिनवादी भाषा बोलते हैं; परन्तु परमेश्वर से प्रार्थना में वो कैल्विनवादी भाषा बोलते हैं. नीचे मैं उनकी इस असंगतता को उजाले में ला रहा हूँ; ताकि जैसी उनकी प्रार्थनाएं हैं; वैसी ही उनकी शिक्षाएं भी हो जाएँ.

भ्रमित आर्मिनवादियों की शिक्षा:

भ्रमित आर्मिनवादियों की शिक्षा यह है की परमेश्वर ने हमें बचाने के लिए पूर्व निर्धारण नहीं किया है बल्कि इसमें तो हमारा भी भाग है। मसीह को जो कुछ भी करना था उन्होंने कर दिया। अब हम अपनी स्वयं की इच्छा को इस्तेमाल करके येशु के पास आते हैं।

अब देखिये उनकी प्रार्थना कैसे उनकी शिक्षाओं से मेल नहीं खातीहैं:

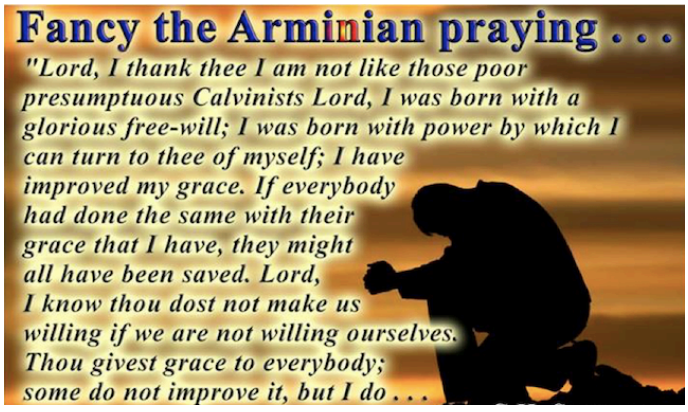

उनकी प्रार्थना -1

वे इस प्रकार प्रार्थना करते हैं, “परमेश्वर कृपा कर के मेरे भाई पर दया कीजिए । कृप्या उसे अपने पुत्र येशु मसीह की और खींच लीजिये। कृप्या उसके हृदय को बदल दीजिए। कृप्या उसे बचा लीजिए।

मेरी टिप्पणी:

क्या यह आपकी शिक्षा के साथ असंगत नहीं?

उन्हें तो इस प्रकार से प्रार्थना करना चाहिए “परमेश्वर आपसे जो भी हो सकता था आप ने कर दिया। धन्यवाद हमें बचने योग्य बनाने के लिए। अब मेरे भाई को अपनी स्वेच्छा को इस्तेमाल करके आपके पास आने दीजिए। वह स्वयं अपने भाग्य का विधाता है। उसे अपनी स्वेच्छा पूरी करने दीजिए।

उनकी प्रार्थना- 2

हम में कुछ भी अच्छा नहीं है। ना ही हम में ऐसा कोई भी गुण, धार्मिकता या बुद्धि है जिसके बदले हमारा उद्धार हुआ। आपके अनुग्रह की वजह से ही हम बचाए गए हैं। धन्यवाद परमेश्वर हमारे प्रति अपनी दया दिखाने के लिए।

मेरी टिप्पणी:

क्या यह आपकी शिक्षा के साथ असंगत नहीं?

क्या उन्हें ऐसे प्रार्थना नहीं करनी चाहिए ” येशु आप सब के लिए मरे। आप बहुत अच्छे हो। धन्यवाद। देखिए हमारे पड़ोसी अंधकार और अधार्मिकता को इतना ज्यादा प्रिय जानते हैं कि वे आपके पास नहीं आए, परन्तु हमने आपकी ज्योति और धार्मिकता को इतना अधिक प्रिय जाना कि हमने आपके पास आना का चुनाव किया।

आप तो जानते ही हैं की हमने अपने पड़ोसियों को जीतने के लिए बहुत मेहनत की, परन्तु वे तो मूर्ख हैं, लेकिन हम तो इतने बुद्धिमान हैं कि हमने आपके अनुग्रह को स्वीकार किया और आपके पास आने का चुनाव किया। हमने अपने हिस्से का काम किया। अब हमें वो महिमा दीजिए जिसके हम हकदार हैं।

उनकी प्रार्थना – 3

हे परमेश्वर, धन्यवाद हमें अपनी संतान बनाने के लिए। धन्यवाद आपका कि आपने हमें नया जन्म दिया और अब मैं आपका हूं। हमें आपके लिए जीने के लिए मदद कीजिए।

मेरी टिप्पणी:

क्या यह आपकी शिक्षा के साथ असंगत नहीं?

आपकी शिक्षा तो कहती है कि परमेश्वर ने आपको अनंत काल के लिए नहीं चुना है। येशु ने अपने हिस्से का काम किया, आप ने मसीह के अनुग्रह को स्वीकार करके अपने हिस्से का काम किया।

आपकी प्रार्थना तो ऐसी होनी चाहिए ” हे परमेश्वर , धन्यवाद आपका कि हम तो सिर्फ बीमार थे पापों में। हमने दुनिया के अन्य मूर्ख बीमार लोगों के विपरीत आपको हमारे चिकित्सक के रूप में चुना और हमने आपको हमें चंगा करने की अनुमति दी। धन्यवाद।

Chapter 2: Can your name be erased from the book of life ? क्या आपका नाम जीवन की पुस्तक में से काटा जा सकता है?

कुछ झूंटे या भ्रमित शिक्षक निम्नांकित आयत का इस्तेमाल करके कहते हैं की हम उद्धार खो सकते हैं:

जो विजयी होगा वह इसी प्रकार श्वेत वस्त्र धारण करेगा। मैं जीवन की पुस्तक से उसका नाम नहीं मिटाऊँगा, बल्कि मैं तो उसके नाम को अपने परम पिता और उसके स्वर्गदूतों के सम्मुख मान्यता प्रदान करूँगा। (प्रकाशितवाक्य 3:5)

ये लोग बाइबल की हज़ारों आयतें नहीं देख सकते जो की बाइबल के हर पृष्ठ पर चीख चीख कर कह रही है की उद्धार यहोवा की और से है और यह खोया नहीं जा सकता. (उन में से कुछ मुख्य आयतों के लिए http://logosinhindi.com/perseverance-of-saints/ क्लिक कीजिये.) परन्तु ये झूंठे शिक्षक अपने ही विनाश के लिए बाइबल की आयतों को तोड़-मरोड़ कर पेश करते हैं. (2 पतरस 3:16) इन

लोगों को प्रकाशितवाक्य 3:5 तो दिखता है पर प्रकाशितवाक्य 13:8 और 17:8 नहीं दिखता. आइये हम इन आयतों को पढ़ते हैं और वचन की व्याख्या वचन के द्वारा करते हैं:

और पृथ्वी के वे सब रहने वाले जिन के नाम उस मेम्ने की जीवन की पुस्तक में लिखे नहीं गए, जो जगत की उत्पत्ति के समय से घात हुआ है, उस पशु की पूजा करेंगे।(प्रकाशितवाक्य 13:8)

जो पशु तू ने देखा है, यह पहिले तो था, पर अब नहीं है, और अथाह कुंड से निकल कर विनाश में पड़े गा, और पृथ्वी के रहने वाले जिन के नाम जगत की उत्पत्ति के समय से जीवन की पुस्तक में लिखे न हीं गए, इस पशु की यह दशा देखकर, कि पहिले था, और अब नहीं; और फिर आ जाएगा, अचंभा करें गे। (प्रकाशितवाक्य 17:8)

प्रकाशितवाक्य 13:8 और 17:8 के अनुसार पशु और शैतान के सामने कौन झुकेगा? जी हाँ, वो जिनके नाम जगत की उत्पत्ति के समय से जीवन की पुस्तक में नहीं लिखे गए.

मैं फिर से दोहराता हूँ प्रकाशितवाक्य 13 : 8 और 14:8 चीख
चीख कर कह रहें हैं की जिनके नाम जगत की उत्पत्ति के समय से जीवन की पुस्तक में नहीं लिखे गए , वे ही पशु और शैतान के सामने झुकेंगे, बाकी लोग विजय होंगे और उन्हें श्वेत वस्त्र पहनाया जायेगा और उनका नाम जीवन की पुस्तक में से कभी नहीं काटा जायेगा (प्रकाशितवाक्य 3:5).

Chapter 3: IRRESISTIBLE GRACE अप्रतिरोध्य अनुग्रह की शिक्षा:

इस शिक्षा का अर्थ यह है की परमेश्वर का अनुग्रह चुने हुओं का जब बचाने आता है तो वो इसको नहीं रोक सकते. उनका उद्धार होकर रहताहै. इसका अर्थ यह भी नहीं की परमेश्वर किसी को जबरदस्ती उठाकर स्वर्ग ले जा रहा है. इसका अर्थ यह भी नहीं की मनुष्य केवल रोबोट है. इसका अर्थ यह है की परमेश्वर अपने चुने हुओं के अंदर से उनके पत्थर के हृदय निकाल कर मांस के हृदय रख देते हैं और अपना आत्मा उन मे डालकर अपने आत्मा के द्वारा ऐसा करते हैं की वो उसकी आज्ञाओं पर चला फिर करे. पहले मनुष्य शैतान की संतान, पाप में मरा हुआ, पाप का गुलाम, क्रोध की संतान और परमेश्वर का दुश्मन होता है, परन्तु जब परमेश्वर का अप्रतिरोध्य (ना रुकने वाला) अनुग्रह आता है तो मनुष्य परमेश्वर से नया जन्म पाता है और वह परमेश्वर की संतान, धार्मिकता का गुलाम, धार्मिकता के काम करने में इच्छुक और समर्थ बन जाता है. चूँकि उसे नया स्वाभाव मिल जाता है और उसके साथ नई इच्छाएं, नए स्नेह, विश्वास, पश्चाताप और धार्मिकता का दान मिल जाता है तो वो स्वेच्छा और प्रसन्नता से यीशु मसीह के पीछे हो लेता है. इस शिक्षा या सिद्धांत को हम बाइबल की हर किताब में बहुतायात और स्पष्टता के साथ देख सकते हैं. उनमे से कुछ साक्षी आयतें (prooftexts) हम नीचे दे रहें हैं.

Ps 110:3

Your people will offer themselves freely on the day of your power.

3. तेरी प्रजा के लोगर तेरे पराक्रम के दिन स्वेच्छाबलि बनते हैं; तेरे जवान लोग पवित्राता से शोभायमान, और भोर के गर्भ से जन्मी हुई ओस के समान तेरे पास हैं।

Mt 16:15-17

*He said to them, “But who do you say that I am?” 16 Simon Peter replied, “You are the **Christ, the Son of the living God**.” 17 And Jesus answered him, “Blessed are you, Simon Bar-Jonah! For flesh and blood has not **revealed this to you**, but **my Father** who is in heaven.*

15. उस ने उन से कहा; परन्तु तुम मुझे क्या कहते हो
16. शमौन पतरस ने उत्तर दिया, कि तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है।
17. यीशु ने उस को उत्तर दिया, कि हे शमौन योना के पुत्र, तू धन्य है; क्योंकि मांस और लोहू ने नहीं, परन्तु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है, यह बात तुझ पर प्रगट की है।

Lk 10:21-22

In that same hour he rejoiced in the Holy Spirit and said, “I thank you, Father, Lord of heaven and earth, that you have **hidden these things from the wise** and understanding and **revealed them to little children**; yes, Father, for such was your gracious will. 22 All things have been handed over to me by my Father, and no one knows who the Son is except the Father, or who the Father is except the Son and **anyone to whom the Son chooses to reveal him.”**
21. उसी घड़ी वह पवित्र आत्क़ा में होकर आनन्द से भर गया, और कहा; हे पिता, स्वर्ग और पृथ्वी के प्रभु, मैं तेरा धन्यवाद करता हूं, कि तू ने इन बातोंको ज्ञानियोंऔर समझदारोंसे छिपा रखा, और बालकोंपर प्रगट किया: हां, हे पित, क्योंकि तुझे यही अच्छा लगा।
22. मेरे पिता ने मुझे सब कुछ सौंप दिया है और कोई नहीं जानता कि पुत्र कौन है केवल पिता और पिता कौन है यह भी कोई नहीं जानता, केवल पुत्र के और वह जिस पर पुत्र उसे प्रकट करना चाहे।

Jn 6:37-40

All that the **Father gives me will come to me**, and whoever comes to me **I will never cast out**. 38 For I have come down from heaven, not to do my own will but the will of him who sent me. 39 And this is the will of him who sent me, that **I should lose nothing of all that he has given me**, but raise it up on the last day. 40 For this is the will of my Father, that **everyone who looks on the Son** and believes in him should have **eternal life**, and I will raise him up on the last day.”
37 जो कुछ पिता मुझे देता है वह सब मेरे पास आएगा, उसे मैं कभी न निकालूंगा।
38. क्योंकि मैं अपक्की इच्छा नहीं, बरन अपके भेजनेवाले की इच्छा पूरी करने के लिथे स्वर्ग से उतरा हूं।
39. और मेरे भेजनेवाले की इच्छा यह है कि जो कुछ उस ने मुझे दिया है, उस में से मैं कुछ न खोऊं परन्तु उसे अंतिम दिन फिर जिला उठाऊं।
40. क्योंकि मेरे पिता की इच्छा यह है, कि जो कोई पुत्र को देखे, और उस पर विश्वास करे, वह अनन्त जीवन पाए; और मैं उसे अंतिम दिन फिर जिला उठाऊंगा।

Jn 6:44-46

No one can come to me unless the **Father who sent me draws him**. And **I will raise him up** on the last day. 45 It is written in the Prophets, ‘And they will all be taught by God.’ Everyone who has **heard** and **learned from the Father comes to me**

44 कोई मेरे पास नहीं आ सकता, जब तक पिता, जिस ने मुझे भेजा है, उसे खींच न ले; और मैं उस को अंतिम दिन फिर जिला उठाऊंगा।
45. भविष्यद्वक्ताओं के लेखोंमें यह लिखा है, कि वे सब परमेश्वर की ओर से सिखाए हुए होंगे। जिस किसी ने पिता से सुना और सीखा है, वह मेरे पास आता है।
46. यह नहीं, कि किसी ने पिता को देखा परन्तु जो परमेश्वर की ओर से है, केवल उसी ने पिता को देखा है

Acts 5:31

God exalted him at his right hand as Leader and Savior, to **give repentance to Israel and forgiveness of sins.**
31 उसी को परमेश्वर ने प्रभु और उद्धारक ठहराकर, अपके दिहने हाथ से सर्वोच्च कर दिया, कि वह इस्त्राएलियोंको मन फिराव की शक्ति और पापोंकी झमा प्रदान करे।

Acts 11:18

When they heard these things they fell silent. And they glorified God, saying, “Then to the Gentiles also **God has granted repentance that leads to life.**”
18 यह सुनकर, वे चुप रहे, और परमेश्वर की बड़ाई करके कहने लगे, तक तो परमेश्वर ने अन्यजातियोंको भी जीवन के लिथे मन फिराव का दान दिया है।।

Acts 13:46-48

And Paul and Barnabas spoke out boldly, saying, “It was necessary that the word of God be spoken first to you. Since you thrust it aside and judge yourselves unworthy of eternal life, behold, we are turning to the Gentiles. 47 For so the Lord has commanded us, saying, “‘I have made you a **light for the Gentiles**, that you may bring **salvation to the ends of the earth.**’” 48 And when the Gentiles heard this, they began rejoicing and glorifying the word of the Lord, and **as many as were appointed to eternal life believed.**

46 तब पोलुस और बरनबास ने निडर होकर कहा, अवश्य या, कि परमेश्वर का वचन पहिले तुम्हें सुनाया जाता: परन्तु जब कि तुम उसे दूर करते हो, और अपके को अनन्त जीवन के योग्य नहीं ठहराते, तो देखो, हम अन्यजातियोंकी ओर फिरते हैं।
47. क्योकिं प्रभु ने हमें यह आज्ञा दी है; कि मै। ने तुझे अन्याजातियोंके लिथे ज्योति ठहराया है; ताकि तू पृथ्वी की छोर तक उद्धार का द्वार हो।
48. यह सुनकर अन्यजाति आनन्दित हुए, और परमेश्वर के वचन की बड़ाई करने लगे: और जितने अनन्त जीवन के लिथे ठहराए गए थे, उन्होंने विश्वास किया।

Rom 8:29-30

For those whom he **foreknew** he also **predestined** to be conformed to the image of his Son, in order that he might be the firstborn among many brothers. 30 And those whom he **predestined** he also **called**, and those whom he **called** he also **justified**, and those whom he **justified** he also **glorified**.
29 क्योंकि जिन्हें उस ने पहिले से जान लिया है उन्हें पहिले से ठहराया भी है कि उसके पुत्र के स्वरूप में होंताकि वह बहुत भाइयोंमें पहिलौठा ठहरे।
30. फिर जिन्हें उन से पहिले से ठहराया, उन्हें बुलाया भी, और जिन्हें बुलाया, उन्हें धर्मी भी ठहराया है, और जिन्हें धर्मी ठहराया, उन्हें महिमा भी दी है।।

Rom 9:15

For he says to Moses, “I will have **mercy on whom I have mercy**, and I will have **compassion on whom I have compassion.**” 16 So then it depends not on human will or exertion, but on **God, who has mercy.**
15 क्योंकि वह मूसा से कहता है, मैं जिस किसी पर दया करना चाहूं, उस पर दया करूंगा, और जिस किसी पर कृपा करना चाहूं उसी पर कृपा करूंगा।

Rom 11:25

Lest you be wise in your own sight, I do not want you to be unaware of this mystery, brothers: a **partial hardening has come upon Israel**, until the fullness of the Gentiles has come in.
25 हे भाइयों, कहीं ऐसा न हो, कि तुम अपके आप को बुद्धिमान समझ लो; इसलिथे मैं नहीं चाहता कि तुम इस भेद से अनजान रहो, कि जब तक अन्यजातियां पूरी रीति से प्रवेश न कर लें, तब तक इस्त्राएल का एक भाग ऐसा ही कठोर रहेगा।

Eph 2:8-9

For by **grace you have been saved through faith**. And **this is not your own doing**; it is the **gift of God**, 9 not a result of works, so that no one may boast.

8 क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, बरन परमेश्वर का दान है।

9. और न कर्मोंके कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे।

Jn 1:13

who were **born**, not of blood nor of the will of the flesh nor of the will of man, but **of God**.

13 वे न तो लोहू से, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से, परन्तु परमेश्वर से उत्पन्न हुए हैं।

Jn 3:3-8

Jesus answered him, “Truly, truly, I say to you, **unless one is born again he cannot see the kingdom** of God.” 4 Nicodemus said to him, “How can a man be born when he is old? Can he enter a second time into his mother’s womb and be born?” 5 Jesus answered, “Truly, truly, I say to you, unless one is **born of water and the Spirit**, he cannot enter the kingdom of God. 6 That which is born of the flesh is flesh, and that which is born of the Spirit is spirit. 7 Do not marvel that I said to you, ‘You must be born again.’ 8 The wind blows where it wishes, and you hear its sound, but you do not know where it comes from or where it goes. So it is with everyone who is born of the Spirit.”

3 यीशु ने उस को उत्तर दिया; कि मैं तुझ से सच सच कहता हूं, यदि कोई नथे सिक्के से न जन्क़ें तो परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता।

4. नीकुदेमुस ने उस से कहा, मनुष्य जब बूढ़ा हो गया, तो क्योंकर जन्क़ ले सकता है

5. यीशु ने उत्तर दिया, कि मैं तुझ से सच सच कहता हूं; जब तक कोई मनुष्य जल और आत्क़ा से न जन्क़े तो वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।

6. क्योंकि जो शरीर से जन्क़ा है, वह शरीर है; और जो आत्क़ा से जन्क़ा है, वह आत्क़ा है।

7. अचम्भा न कर, कि मैं ने तुझ से कहा; कि तुम्हें नथे सिक्के से जन्क़ लेना अवश्य है।

8. हवा जिधर चाहती है उधर चलती है, और तू उसका शब्द सुनता है, परन्तु नहीं जानता, कि वह कहां से आती और किधर को जाती है जो कोई आत्क़ा से जन्क़ा है वह ऐसा ही है।

Jn 5:21

For as the Father raises the dead and gives them life, so also the **Son gives life to whom he will**.

21 क्योकि जैसा पिता मरे हुओं को उठाता और जिलाता है, वैसा ही पुत्र भी जिन्हें चाहता है उन्हें जिलाता है।

Rom 6:3-4

Do you not know that all of us who have been baptized into Christ Jesus were **baptized into his death**? 4 We were buried therefore with him by baptism into death, in order that, just as **Christ was raised from the dead** by the glory of the Father, **we too might walk in newness of life.**

3 क्या तुम नहीं जानते, कि हम जितनोंने मसीह यीशु का बपतिस्क़ा लिया तो उस की मृत्यु का बपतिस्क़ा लिया

4. सो उस मृत्यु का बपतिस्क़ा पाने से हम उसके साय गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें।

Col 2:13-14

And you, who were **dead in your trespasses** and the uncircumcision of your flesh, **God made alive** together with him, having forgiven us all our trespasses, 14 by canceling the record of debt that stood against us with its legal demands. This he set aside, nailing it to the cross.

13 और उस ने तुम्हें भी, जो अपके अपराधों, और अपके शरीर की खतनारिहत दशा में मुर्दा थे, उसे साय जिलाया, और हमारे सब अपराधोंको झमा किया।

14. और विधियोंका वह लेख जो हमारे नाम पर और हमारे विरोध में या मिटा डाला; और उस को क्रूस पर कीलोंसे जड़कर साम्हने से हटा दिया है।

2Cor 5:17

Therefore, if **anyone is in Christ**, he is a **new creation**. The **old has passed away**; behold, the **new has come.**

17 सो यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गईं।

Titus 3:4-7

But when the goodness and loving kindness of God our Savior appeared, 5 **he saved us**, not because of works done by us in righteousness, but **according to his own mercy**, by the washing of **regeneration** and **renewal of the Holy Spirit,** 6 whom **he**

poured out on usrichly through Jesus Christ our Savior, 7 so that being justified by his grace we might become **heirs according to the hope of eternal life.**

4 पर जब हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की कृपा, और मनुष्योंपर उसकी प्रीति प्रगट हुई। **5.** तो उस ने हमारा उद्धार किया: और यह धर्म के कामोंके कारण नहीं, जो हम ने आप किए, पर अपक्की दया के अनुसार, नए जन्क़ के स्नान, और पवित्र आत्क़ा के हमें नया बनाने के द्वारा हुआ। **6.** जिसे उस ने हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के द्वारा हम पर अधिकाई से उंडेला। **7.** जिस से हम उसके अनुग्रह से धर्मी ठहरकर, अनन्त जीवन की आशा के अनुसार वारिस बनें।

James 1:18

Of **his own will he brought us forth by the word of truth**, that we should be a kind of firstfruits of his creatures.

18 उस ने अपक्की ही इच्छा से हमें सत्य के वचन के द्वारा उत्पन्न किया, ताकि हम उस की सृष्टि की हुई वस्तुओं में से एक प्रकार के प्रयम फल हों।।

1Pet 1:3

Blessed be the God and Father of our Lord Jesus Christ! According to his great mercy, he has **caused us to be born again** to a living hope through the resurrection of Jesus Christ from the dead

3 हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद दो, जिस ने यीशु मसीह को मरे हुओं में से जी उठने के द्वारा, अपक्की बड़ी दया से हमें जीवित आशा के लिथे नया जन्क़ दिया।

1Jn 5:1

Everyone who believes that Jesus is the Christ has been **born of God**.

1 जिसका यह विश्वास है कि यीशु ही मसीह है, वह परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है और जो कोई उत्पन्न करनेवाले से प्रेम रखता है, वह उस से भी प्रेम रखता है, जो उस से उत्पन्न हुआ है।

John 10:27-28

27 My sheep hear my voice, and I know them, and they follow me:

28 And I give unto them eternal life

27 मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं, और मैं उन्हें जानता हूं, और वे मेरे पीछे पीछे चलती हैं। **28.** और मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूं, और वे कभी नाश नहीं होंगी, और कोई उन्हें मेरे हाथ से छीन न लेगा।

Jn 10:25-26

Jesus answered them, “I told you, and you do not believe. The works that I do in my Father’s name bear witness about me, 26 but you do not believe because **you are not among my sheep.**

25 यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, कि मैं ने तुम से कह दिया, और तुम प्रतीति करते ही नहीं, जो काम मैं अपके पिता के नाम से करता हूं वे ही मेरे गवाह हैं।

26. परन्तु तुम इसलिथे प्रतीति नहीं करते, कि मेरी भेड़ोंमें से नहीं हो।

Jn 12:37-40

Though he had **done so many signs** before them, they still **did not believe** in him, 38 so that the word spoken by the prophet Isaiah might be fulfilled: “Lord, who has believed what he heard from us, and to whom has the arm of the Lord been revealed?” 39 Therefore they could not believe. For again Isaiah said, 40 “He has **blinded their eyes** and **hardened their heart**, **lest they see** with their eyes, and **understand with their heart**, and turn, and I would heal them.”

37 और उस ने उन के साम्हने इतने चिन्ह दिखाए, तौभी उन्होंने उस पर विश्वास न किया।

38. ताकि यशायाह भविष्यद्वक्ता का वचन पूरा हो जो उस ने कहा कि हे प्रभु हमारे समाचार की किस ने प्रतीति की है और प्रभु का भुजबल किस पर प्रगट हुआ

39. इस कारण वे विश्वास न कर सके, क्योंकि यशायाह ने फिर भी कहा।

40. कि उस ने उन की आंखें अन्धी, और उन का मन कठोर किया है; कहीं ऐसा न हो, कि आंखोंसे देखें, और मन से समझें, और फिरें, और मैं उन्हें चंगा करूं।

Daniel 4:35

“All the inhabitants of the earth are accounted as nothing, But He does according to His will in the host of heaven And among the inhabitants of earth; And no one can ward off His hand Or say to Him, ‘What have You done?’

35 पृथ्वी के सब रहनेवाले उसके साम्हने तुच्छ गिने जाते हैं, और वह स्वर्ग की सेना और पृथ्वी के रहनेवालोंके बीच अपक्की इच्छा के अनुसार काम करता है; और कोई उसको रोककर उस से नहीं कह सकता है, तू ने यह क्या किया है?

Chapter 4: perseverance of saints संतों की रक्षा या संतों के अध्यवसाय की शिक्षा/सिद्धांत:

इस शिक्षा का मतलब यह है की जिनको परमेश्वर बचाता है वो स्वर्ग भी जाके रहेंगे. परमेश्वर उन्हें कभी नहीं छोड़ेगा नहीं वो परमेश्वर को छोड़ेंगे क्योंकि वो एक नई सृष्टि है और पवित्र आत्मा के महिमावान कार्य के कारण हमेशा यीशु मसीह के पीछे चलेंगे. जो लोग जाते (backslide करते) दिखते हैं, वो कभी उद्धार पाए ही नहीं थे. वो ख़ाली मसीहियत में आये थे, मसीह में नहीं. इस शिक्षा या सिद्धांत को हम बाइबल की हर किताब में बहुतायात और स्पष्टता के साथ देख सकते हैं. उनमे से कुछ साक्षी आयतें (prooftexts) हम नीचे दे रहें हैं.

Ecc 3:14

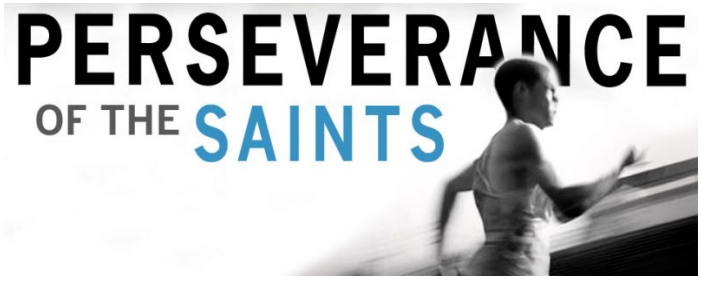

I perceived that whatever God does endures forever; nothing can be added to it, nor anything taken from it. God has done it, so that people fear before him.

14. मैं जानता हूं कि जो कुछ परमेश्वर करता है वह सदा स्थिर रहेगा; न तो उस में कुछ बढ़ाया जा सकता है और न कुछ घटाया जा सकता है; परमेश्वर ऐसा इसलिये करता है कि लोग उसका भय मानें।

1Cor 1:8B-9 8

who will sustain you to the end, guiltless in the day of our Lord Jesus Christ. 9 God is faithful, by whom you were called into the fellowship of his Son, Jesus Christ our Lord.

8. वह तुम्हें अन्त तक दृढ़ भी करेगा, कि तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह के दिन में निर्दोष ठहरो।

9. परमेश्वर सच्चा है; जिस ने तुम को अपने पुत्र हमारे प्रभु यीशु मसीह की संगति में बुलाया है॥

Col 3:3-4

For you have died, and your life is hidden with Christ in God. 4 When Christ who is your life appears, then you also will appear with him in glory.

3. क्योंकि तुम तो मर गए, और तुम्हारा जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है।

4. जब मसीह जो हमारा जीवन है, प्रगट होगा, तब तुम भी उसके साथ महिमा सहित प्रगट किए जाओगे।

Phil 1:6

And I am sure of this, that he who began a good work in you will bring it to completion at the day of Jesus Christ.

6. और मुझे इस बात का भरोसा है, कि जिस ने तुम में अच्छा काम आरम्भ किया है, वही उसे यीशु मसीह के दिन तक पूरा करेगा।

2Tim 4:18

The Lord will rescue me from every evil deed and bring me safely into his heavenly kingdom. To him be the glory forever and ever. Amen.

18. और प्रभु मुझे हर एक बुरे काम से छुड़ाएगा, और अपने स्वर्गीय राज्य में उद्धार कर के पहुंचाएगा: उसी की महिमा युगानुयुग होती रहे। आमीन॥

1Pet 1:3-5

Blessed be the God and Father of our Lord Jesus Christ! According to his great mercy, he has caused us to be born again to a living hope through the resurrection of Jesus Christ from the dead, 4 to an inheritance that is imperishable, undefiled, and unfading, kept in heaven for you, 5 who by God's power are being guarded through faith for a salvation ready to be revealed in the last time.

3. हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद दो, जिस ने यीशु मसीह के हूओं में से जी उठने के द्वारा, अपनी बड़ी दया से हमें जीवित आशा के लिये नया जन्म दिया।

4. अर्थात एक अविनाशी और निर्मल, और अजर मीरास के लिये।

5. जो तुम्हारे लिये स्वर्ग में रखी है, जिन की रक्षा परमेश्वर की सामर्थ से, विश्वास के द्वारा उस उद्धार के लिये, जो आने वाले समय में प्रगट होने वाली है, की जाती है।

Jn 6:39-40

And this is the will of him who sent me, that I should lose nothing of all that he has given me, but raise it up on the last day. 40For this is the will of my Father, that everyone who looks on the Son and believes in him should have eternal life, and I will raise him up on the last day."

39. और मेरे भेजने वाले की इच्छा यह है कि जो कुछ उस ने मुझे दिया है, उस में से मैं कुछ न खोऊं परन्तु उसे अंतिम दिन फिर जिला उठाऊं।

40. क्योंकि मेरे पिता की इच्छा यह है, कि जो कोई पुत्र को देखे, और उस पर विश्वास करे, वह अनन्त जीवन पाए; और मैं उसे अंतिम दिन फिर जिला उठाऊंगा।

Jn 10:27-29

My sheep hear my voice, and I know them, and they follow me. 28 I give them eternal life, and they will never perish, and no one will snatch them out of my

hand. 29 My Father, who has given them to me, is greater than all, and no one is able to snatch them out of the Father's hand.

27. मेरी भेड़ें मेरा शब्द सुनती हैं, और मैं उन्हें जानता हूं, और वे मेरे पीछे पीछे चलती हैं।

28. और मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूं, और वे कभी नाश न होंगी, और कोई उन्हें मेरे हाथ से छीन न लेगा।

29. मेरा पिता, जिस ने उन्हें मुझ को दिया है, सब से बड़ा है, और कोई उन्हें पिता के हाथ से छीन नहीं सकता।

Rom 8:35-39

Who shall separate us from the love of Christ? Shall tribulation, or distress, or persecution, or famine, or nakedness, or danger, or sword? 36 As it is written, "For your sake we are being killed all the day long; we are regarded as sheep to be slaughtered." 37 No, in all these things we are more than conquerors through him who loved us. 38 For I am sure that neither death nor life, nor angels nor rulers, nor things present nor things to come, nor powers, 39 nor height nor depth, nor anything else in all creation, will be able to separate us from the love of God in Christ Jesus our Lord.

35. कौन हम को मसीह के प्रेम से अलग करेगा? क्या क्लेश, या संकट, या उपद्रव, या अकाल, या नंगाई, या जोखिम, या तलवार?

36. जैसा लिखा है, कि तेरे लिये हम दिन भर घात किए जाते हैं; हम वध होने वाली भेंडों की नाईं गिने गए हैं।

37. परन्तु इन सब बातों में हम उसके द्वारा जिस ने हम से प्रेम किया है, जयवन्त से भी बढ़कर हैं।

38. क्योंकि मैं निश्चय जानता हूं, कि न मृत्यु, न जीवन, न स्वर्गदूत, न प्रधानताएं, न वर्तमान, न भविष्य, न सामर्थ, न ऊंचाई,

39. न गहिराई और न कोई और सृष्टि, हमें परमेश्वर के प्रेम से, जो हमारे प्रभु मसीह यीशु में है, अलग कर सकेगी॥

Eph 1:13-14

In him you also, when you heard the word of truth, the gospel of your salvation, and believed in him, were sealed with the promised Holy Spirit, 14 who is the guarantee of our inheritance until we acquire possession of it, to the praise of his glory.

13. और उसी में तुम पर भी जब तुम ने सत्य का वचन सुना, जो तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार है, और जिस पर तुम ने विश्वास किया, प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा की छाप लगी।

14. वह उसके मोल लिए हुओं के छुटकारे के लिये हमारी मीरास का बयाना है, कि उस की महिमा की स्तुति हो॥

Eph 4:30

And do not grieve the Holy Spirit of God, by whom you were sealed for the day of redemption.

30. और परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो, जिस से तुम पर छुटकारे के दिन के लिये छाप दी गई है।

Heb 7:25

Consequently, he is able to save to the uttermost those who draw near to God through him, since he always lives to make intercession for them.

25. इसी लिये जो उसके द्वारा परमेश्वर के पास आते हैं, वह उन का पूरा पूरा उद्धार कर सकता है, क्योंकि वह उन के लिये बिनती करने को सर्वदा जीवित है॥

Heb 10:14

For by a single offering he has perfected for all time those who are being sanctified.

14. क्योंकि उस ने एक ही चढ़ावे के द्वारा उन्हें जो पवित्र किए जाते हैं, सर्वदा के लिये सिद्ध कर दिया है।

Eph 2:10

For we are his workmanship, created in Christ Jesus for good works, which God prepared beforehand, that we should walk in them.

क्योंकि परमेश्वर हमारा सृजनहार है। उसने मसीह यीशु में हमारी सृष्टि इसलिए की है कि हम नेक काम करें जिन्हें परमेश्वर ने पहले से ही इसलिए तैयार किया हुआ है कि हम उन्हीं को करते हुए अपना जीवन बितायें।

1Thess 5:23-24

Now may the God of peace himself sanctify you completely, and may your whole spirit and soul and body be kept blameless at the coming of our Lord Jesus Christ. 24 He who calls you is faithful; he will surely do it.

23. शान्ति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीति से पवित्र करे; और तुम्हारी आत्मा और प्राण और देह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने तक पूरे पूरे और निर्दोष सुरक्षित रहें।

24. तुम्हारा बुलाने वाला सच्चा है, और वह ऐसा ही करेगा॥

Heb 13:20-21

Now may the God of peace who brought again from the dead our Lord Jesus, the great shepherd of the sheep, by the blood of the eternal covenant, 21 equip you with everything good that you may do his will, working in us that which is pleasing in his sight, through Jesus Christ, to whom be glory forever and ever. Amen.

20. अब शान्तिदाता परमेश्वर जो हमारे प्रभु यीशु को जो भेड़ों का महान रखवाला है सनातन वाचा के लोहू के गुण से मरे हुओं में से जिला कर ले आया।

21. तुम्हें हर एक भली बात में सिद्ध करे, जिस से तुम उस की इच्छा पूरी करो, और जो कुछ उस को भाता है, उसे यीशु मसीह के द्वारा हम में उत्पन्न करे, जिस की बड़ाई युगानुयुग होती रहे। आमीन॥

Jude 24-25

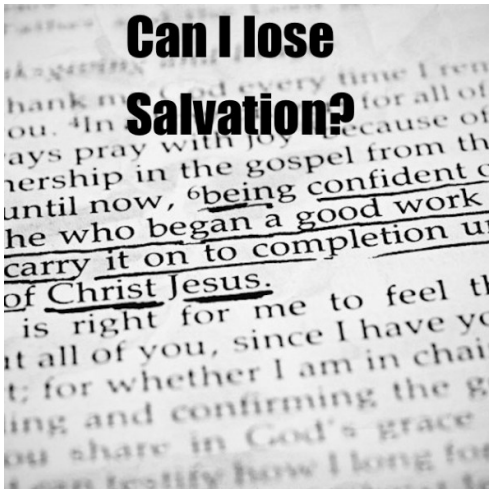

Now to him who is able to keep you from stumbling and to present you blameless before the presence of his glory with great joy, 25 to the only God, our Savior, through Jesus Christ our Lord, be glory, majesty, dominion, and authority, before all time and now and forever. Amen.

24. अब जो तुम्हें ठोकर खाने से बचा सकता है, और अपनी महिमा की भरपूरी के साम्हने मगन और निर्दोष करके खड़ा कर सकता है।

25. उस अद्वैत परमेश्वर हमारे उद्धारकर्ता की महिमा, और गौरव, और पराक्रम, और अधिकार, हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा जैसा सनातन काल से है, अब भी हो और युगानुयुग रहे। आमीन॥

1Jn 2:19

They went out from us, but they were not of us; for if they had been of us, they would have continued with us. But they went out, that it might become plain that they all are not of us.

19. वे निकले तो हम ही में से, पर हम में के थे नहीं; क्योंकि यदि हम में के होते, तो हमारे साथ रहते, पर निकल इसलिये गए कि यह प्रगट हो कि वे सब हम में के नहीं हैं।

1 Peter 1:5 ESV / 16 helpful votes

Who by God's power are being guarded through faith for a salvation ready to be revealed in the last time.

5. जो तुम्हारे लिये स्वर्ग में रखी है, जिन की रक्षा परमेश्वर की सामर्थ से, विश्वास के द्वारा उस उद्धार के लिये, जो आने वाले समय में प्रगट होने वाली है, की जाती है।

2 Timothy 1:12 ESV / 12 helpful votes

Which is why I suffer as I do. But I am not ashamed, for I know whom I have believed, and I am convinced that he is able to guard until that Day what has been entrusted to me.

12. इस कारण मैं इन दुखों को भी उठाता हूं, पर लजाता नहीं, क्योंकि मैं उसे जिस की मैं ने प्रतीति की है, जानता हूं; और मुझे निश्चय है, कि वह मेरी थाती की उस दिन तक रखवाली कर सकता है।

Jude 1:24 ESV / 10 helpful votes

Now to him who is able to keep you from stumbling and to present you blameless before the presence of his glory with great joy,

24. अब जो तुम्हें ठोकर खाने से बचा सकता है, और अपनी महिमा की भरपूरी के साम्हने मगन और निर्दोष करके खड़ा कर सकता है।

Romans 11:29 ESV / 10 helpful votes

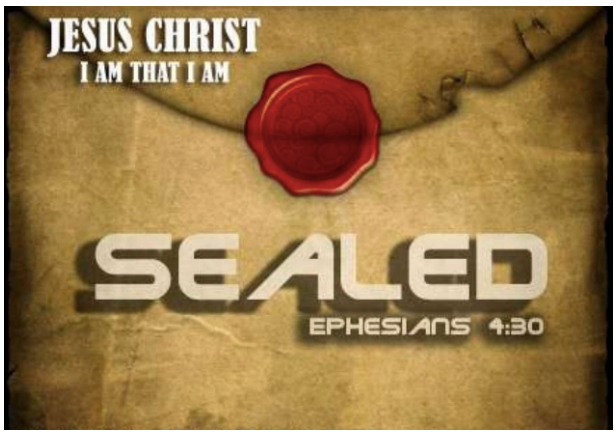

For the gifts and the calling of God are irrevocable.

29. क्योंकि परमेश्वर अपने वरदानों से, और बुलाहट से कभी पीछे नहीं हटता।

Romans 8: Deliverance from Bondage

1 Therefore there is now no condemnation for those who are in Christ Jesus.
2 For the law of the Spirit of life in Christ Jesus has set you free from the law of sin and of death.
3 For what the Law could not do, weak as it was through the flesh, God did: sending His own Son in the likeness of sinful flesh and as an offering for sin, He condemned sin in the flesh,
4 so that the requirement of the Law might be fulfilled in us, who do not walk according to the flesh but according to the Spirit.
5 For those who are according to the flesh set their minds on the things of the flesh, but those who are according to the Spirit, the things of the Spirit.
6 For the mind set on the flesh is death, but the mind set on the Spirit is life and peace,
7 because the mind set on the flesh is hostile toward God; for it does not subject itself to the law of God, for it is not even able to do so,
8 and those who are in the flesh cannot please God.
9 However, you are not in the flesh but in the Spirit, if indeed the Spirit of God dwells in you. But if anyone does not have the Spirit of Christ, he does not belong to Him.
10 If Christ is in you, though the body is dead because of sin, yet the spirit is alive because of righteousness.
11 But if the Spirit of Him who raised Jesus from the dead dwells in you, He who raised Christ Jesus from the dead will also give life to your mortal bodies through His Spirit who dwells in you.

इस प्रकार अब उनके लिये जो यीशु मसीह में स्थित हैं, कोई दण्ड नहीं है। [क्योंकि वे शरीर के अनुसार नहीं बल्कि आत्मा के अनुसार चलते है।]

8:2

क्योंकि आत्मा की व्यवस्था ने जो यीशु मसीह में जीवन देती है, तुझे पाप की व्यवस्था से जो मृत्यु की ओर ले जाती है, स्वतन्त्र कर दिया है।

8:3

जिसे मूसा की वह व्यवस्था जो मनुष्य के भौतिक स्वभाव के कारण दुर्बल बना दी गई थी, नहीं कर सकी उसे परमेश्वर ने अपने पुत्र को हमारे ही जैसे शरीर में भेजकर जिससे हम पाप करते हैं — उसकी भौतिक देह को पाप वाली बनाकर पाप को निरस्त करके पूरा किया।

8:4

जिससे कि हमारे द्वारा, जो देह की भौतिक विधि से नहीं, बल्कि आत्मा की विधि से जीते हैं, व्यवस्था की आवश्यकताएँ पूरी की जा सकें।

8:5

क्योंकि वे जो अपने भौतिक मानव स्वभाव के अनुसार जीते हैं, उनकी बुद्धि मानव स्वभाव की इच्छाओं पर टिकी रहती है परन्तु वे जो आत्मा के अनुसार जीते है, उनकी बुद्धि जो आत्मा चाहती है उन अभिलाषाओं में लगी रहती है।

8:6

भौतिक मानव स्वभाब के बस में रहने वाले मन का अन्त मृत्यु है, किन्तु आत्मा के वश में रहने वाली बुद्धि का परिणाम है जीवन और शान्ति।

8:7

इस तरह भौतिक मानव स्वभाव से अनुशासित मन परमेश्वर का विरोधी है। क्योंकि वह न तो परमेश्वर के नियमों के अधीन है और न हो सकता है।

8:8

और वे जो भौतिक मानव स्वभाव के अनुसार जीते हैं, परमेश्वर को प्रसन्न नहीं कर सकते।

8:9

किन्तु तुम लोग भौतिक मानव स्वभाव के अधीन नहीं हो, बल्कि आत्मा के अधीन हो यदि वास्तव में तुममें परमेश्वर की आत्मा का निवास है। किन्तु यदि किसी में यीशु मसीह की आत्मा नहीं है तो वह मसीह का नहीं है।

8:10

दूसरी तरफ यदि तुममें मसीह है तो चाहे तुम्हारी देह पाप के हेतु मर चुकी है पवित्र आत्मा, परमेश्वर के साथ तुम्हें धार्मिक ठहराकर स्वयं तुम्हारे लिए जीवन बन जाती है।

8:11

और यदि वह आत्मा जिसने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया था, तुम्हारे भीतर वास करती है, तो वह परमेश्वर जिस ने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया था, तुम्हारे नाशवान शरीरों को अपनी आत्मा से जो तुम्हारे ही भीतर बसती है, जीवन देगा।

Romans 8:29

29 For those God foreknew he also predestined to be conformed to the image of his Son, that he might be the firstborn among many brothers and sisters.

29. क्योंकि जिन्हें उस ने पहिले से जान लिया है उन्हें पहिले से ठहराया भी है कि उसके पुत्र के स्वरूप में हों ताकि वह बहुत भाइयों में पहिलौठा ठहरे।

John 5:24

Truly, truly, I say to you, whoever hears my word and believes him who sent me has eternal life. He does not come into judgment, but has passed from death to life.

24. मैं तुम से सच सच कहता हूं, जो मेरा वचन सुनकर मेरे भेजने वाले की प्रतीति करता है, अनन्त जीवन उसका है, और उस पर दंड की आज्ञा नहीं होती परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है।

Hebrews 12:2

Looking to Jesus, the founder and perfecter of our faith, who for the joy that was set before him endured the cross, despising the shame, and is seated at the right hand of the throne of God.

2. और विश्वास के कर्ता और सिद्ध करने वाले यीशु की ओर ताकते रहें; जिस ने उस आनन्द के लिये जो उसके आगे धरा था, लज्ज़ा की कुछ चिन्ता न करके, क्रूस का दुख सहा; और सिंहासन पर परमेश्वर के दाहिने जा बैठा।

John 3:16

“For God so loved the world, that he gave his only Son, that whoever believes in him should not perish but have eternal life.

16. क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

Jeremiah 32:40

I will make with them an everlasting covenant, that I will not turn away from doing good to them. And I will put the fear of me in their hearts, that they may not turn from me.

40. मैं उन को एक ही मन और एक ही चाल कर दूंगा कि वे सदा मेरा भय मानते रहें, जिस से उनका और उनके बाद उनके वंश का भी भला हो।

1 John 5:4

For everyone who has been born of God overcomes the world. And this is the victory that has overcome the world—our faith.

4. क्योंकि जो कुछ परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है, वह संसार पर जय प्राप्त करता है, और वह विजय जिस से संसार पर जय प्राप्त होती है हमारा विश्वास है।

1 Peter 1:23

Since you have been born again, not of perishable seed but of imperishable, through the living and abiding word of God;

23. क्योंकि तुम ने नाशमान नहीं पर अविनाशी बीज से परमेश्वर के जीवते और सदा ठहरने वाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया है।

Hebrews 10: 9

then He said, “Behold, I have come to do Your will.” He takes away the first in order to establish the second.

10 By this will we have been sanctified through the offering of the body of Jesus Christ once for all.

9. फिर यह भी कहता है, कि देख, मैं आ गया हूं, ताकि तेरी इच्छा पूरी करूं; निदान वह पहिले को उठा देता है, ताकि दूसरे को नियुक्त करे।

Jeremiah 31:3

The Lord appeared to him from far away. I have loved you with an everlasting love; therefore I have continued my faithfulness to you.

बहुत दूर से यहोवा अपने लोगों के सामने प्रकट होगा। यहोवा कहते हैं लोगों, “मैं तुमसे प्रेम करता हूँ और मेरा प्रेम सदैव रहेगा। मैं सदैव तुम्हारे प्रति सच्चा रहूँगा।

1 John 5:13

I write these things to you who believe in the name of the Son of God that you may know that you have eternal life.

13. मैं ने तुम्हें, जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास करते हो, इसलिये लिखा है; कि तुम जानो, कि अनन्त जीवन तुम्हारा है।

1 John 3:2

Beloved, we are God’s children now, and what we will be has not yet appeared; but we know that when he appears we shall be like him, because we shall see him as he is.

2. हे प्रियों, अभी हम परमेश्वर की सन्तान हैं, और अब तक यह प्रगट नहीं हुआ, कि हम क्या कुछ होंगे! इतना जानते हैं, कि जब वह प्रगट होगा तो हम भी उसके समान होंगे, क्योंकि उस को वैसा ही देखेंगे जैसा वह है।

Chapter 5: रोमियों 9:9-23 तक की आयतें याद कीजिये

9:9
वचन इस प्रकार कहा गया था: “निश्चित समय पर मैं लौटूँगा और सारा पुत्रवती होगी।” []
9:10
इतना ही नहीं जब रिबका भी एक व्यक्ति, हमारे पूर्व पिता इसहाक से गर्भवती हुई
9:11
तो बेटों के पैदा होने से पहले और उनके कुछ भी भला बुरा करने से पहले कहा गया था जिससे परमेश्वर का वह प्रयोजन सिद्ध हो जो चुनाव से सिद्ध होता है।
9:12
और जो व्यक्ति के कर्मों पर नहीं टिका बल्कि उस परमेश्वर पर टिका है जो बुलाने वाला है। रिबका से कहा गया, “बड़ा बेटा छोटे बेटे की सेवा करेगा।” []
9:13
शास्त्र कहता है: “मैंने याकूब को चुना और इसाऊ को नकार दिया।” []
9:14
तो फिर हम क्या कहें? क्या परमेश्वर अन्यायी है?
9:15
निश्चय ही नहीं! क्योंकि उसने मूसा से कहा था, “मैं जिस किसी पर भी दया करने की सोचूँगा, दया दिखाऊँगा। और जिस किसी पर भी अनुग्रह करना चाहूँगा, अनुग्रह करूँगा।” []
9:16
इसलिए न तो यह किसी की इच्छा पर निर्भर करता है और न किसी की दौड़ धूप पर बल्कि दयालु परमेश्वर पर निर्भर करता है।
9:17
क्योंकि शास्त्र में परमेश्वर ने फिरौन से कहा था, “मैंने तुझे इसलिए खड़ा किया था कि मैं अपनी शक्ति तुझ में दिखा सकूँ। और मेरा नाम समूची धरती पर घोषित किया जाये।” []
9:18
सो परमेश्वर जिस पर चाहता है दया करता है और जिसे चाहता है कठोर बना देता है।
9:19
तो फिर तू शायद मुझ से कहे, “यदि हमारे कर्मों का नियन्त्रण करने वाला परमेश्वर है तो फिर भी वह उसमें हमारा दोष क्यों समझता है?” आखिरकार उसकी इच्छा का विरोध कौन कर सकता है?
9:20
मनुष्य तू कौन होता है जो परमेश्वर को उलट कर उत्तर दे? क्या कोई रचना अपने रचने वाले से पूछ सकती है, “तूने मुझे ऐसा क्यों बनाया?”
9:21
क्या किसी कुम्हार की मिट्टी पर यह अधिकार नहीं है कि वह किसी एक लौंदे से एक बरतनों विशेष प्रयोजन के लिए और दूसरा हीन प्रयोजन के लिए बनाये?
9:22
किन्तु इसमें क्या है यदि परमेश्वर ने अपना क्रोध दिखाने और अपनी शक्ति जताने के लिए उन लोगों की, जो क्रोध के पात्र थे और जिनका विनाश होने को था, बड़े धीरज के साथ सही,
9:23

उसने उनकी सही ताकि वह उन लोगों के लाभ के लिए जो दया के पात्र थे और जिन्हें उसने अपनी महिमा पाने के लिए बनाया था, उन पर अपनी महिमा प्रकट कर सके।